

तारीख हुपम	हुपम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	अधिकारी की तारीख
19/11/23	पी.ओ. पधार है। 7/12/23 को पेश हो।	/ टोंक
7/12/23	PO सा पधार है। 11/2/24 को पेश हो।	दोरे पर बाहर / टोंक
11/2/24	पी.ओ. सा. अक्कश / राज कार्य से / दोरे पर बाहर / टोंक पधार है। पत्रावली दि. 12/2/24 को पेश हो।	
12/2/24	<p>अज्ञेय कर्मचारी का कार्यवाही में देर होने के कारण को कार्रवाई ब्यवस्था के लिए स्वीकार किया गया है। पत्रावली दि. 12/2/24 को पेश हो।</p> <p>रपखण्ड अधिकारी</p>	
29/2/24	पी.ओ. सा. अक्कश / राज कार्य से / दोरे पर बाहर / टोंक पधार है। पत्रावली दि. 15/3/24 को पेश हो।	
15/3/24	PO सा. राज कार्य से / दोरे पर बाहर / टोंक पधार है। पत्रावली दि. 4/4/24 को पेश हो।	
4/4/24	PO सा. अक्कश / राज कार्य से / दोरे पर बाहर / टोंक पधार है। पत्रावली दि. 15/4/24 को पेश हो।	
15/4/24	<p>अज्ञेय कर्मचारी का कार्यवाही में देर होने के कारण को कार्रवाई ब्यवस्था के लिए स्वीकार किया गया है। पत्रावली दि. 29/4/24 को पेश हो।</p> <p>रपखण्ड अधिकारी देवली (टोंक)</p>	
20/5/24	पी.ओ. सा. अक्कश / राज कार्य से / दोरे पर बाहर / टोंक पधार है। पत्रावली दि. 5/6/24 को पेश हो।	
5/6/24	अज्ञेय कर्मचारी का कार्यवाही में देर होने के कारण को कार्रवाई ब्यवस्था के लिए स्वीकार किया गया है। पत्रावली दि. 5/6/24 को पेश हो।	

अज्ञेय

अज्ञेय

5/6/24

रपखण्ड अधिकारी

अज्ञेय

डा. ए. सुब्रह्मण्य ने क्वचन की प्रार्थना की प्रार्थना
स्वीकार कर सुब्रह्मण्य डा. ए. ए. क्वचन धुकी
आने प्रार्थने के पक्ष क्वचन में प्राप्य
के तथ्यों को दोहराते हुए क्वचन में प्राप्य
स्वीकार करने की प्रार्थना की।

डा. ए. सुब्रह्मण्य ने क्वचन क्वचन
में क्वचन किा कि प्राची के हिस्से की हद तक
राजस्व व मोके की प्रशासित कर की
जैसे वो कोई आपाते नहीं की।

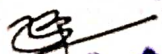
पत्रावली का स्थलोकन किया।
डा. ए. सुब्रह्मण्य को क्वचन पर मनन किया।
डा. ए. प्रा. ने प्राची के हिस्से की हद तक
में मोके व राजस्व रिपोर्ट की प्रशासित
रखने में कोई आपाते नहीं की। क्वचन
प्राप्य स्वीकार किया जाता की।

आदेश

प्रारिकारीयण सेधा 1 ता 3 को जरिए
असामी विवेकाया से पाबन्द किया जागा की
कि खाता सेधा 1838 ख. नं. 486
रकम 1.20 हू वकि ग्राम डेव्सीगोव तब
डेव्सी में मोके व प्राची के हिस्से 13/30
की हद तक मोके व राजस्व रिपोर्ट की
प्रशासित ताकिपलावाद बनाते रखे।

पत्रावली फेताल शुमार होक्क वक्का
के कम है। वार के साथ लमडिना है।
डा. ए. सुब्रह्मण्य को

मिठीय सरे इजलास सुनाया गया।


उपस्थित अधिकारी
देवली (दोक)